RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 302
दि. 06.03.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

मजलिस पार्क-मौजपुर से दिल्ली बनी 'रिंग मेट्रो' वाली पहली राजधानी, पीएम नरेंद्र मोदी 8 मार्च को करेंगे उद्घाटन

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आठ मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन दोनों कारिडोर का उद्घाटन करेंगे।

नई दिल्ली। (जीएनएस)। राजधानी में लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए मेट्रो, रेल व सड़क मार्ग से संबंधित कई परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें मेट्रो के चौथे चरण में मजेंटा लाइन पर जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम विस्तार परियोजना के दीपाली चौक (पीतमपुरा) से मजलिस पार्क तक एलिवेटेड कारिडोर और पिंक लाइन पर मजलिस पार्क-मौजपुर कारिडोर का काम पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आठ मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन दोनों कारिडोर का उद्घाटन करेंगे।

कुल लागत 18,300 करोड़ रुपये से अधिक

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि मजलिस पार्क-मौजपुर कॉरिडोर के उद्घाटन होने से राजधानी का पहला रिंग मेट्रो नेटवर्क शुरू हो जाएगा। साथ ही, दिल्ली मेट्रो के फेज- पांच (ए) के अंतर्गत तीन नए कारिडोर के निर्माण का शिलान्यास भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इन मेट्रो परियोजनाओं की कुल लागत 18,300 करोड़ रुपये से अधिक है और इनसे दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। उद्घाटन समारोह आठ मार्च को सुबह बुराड़ी स्थित निरंकारी मंडल के सामने डीडीए उत्सव स्थल तीन में आयोजित होगा।

मजेंटा लाइन की कुल लंबाई 49 किमी हो जाएगी

मेट्रो के चौथे चरण में मजेंटा लाइन पर जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम विस्तार परियोजना के दीपाली चौक (पीतमपुरा) से मजलिस पार्क तक 9.92 किलोमीटर का एलिवेटेड मेट्रो कारिडोर बनकर तैयार है। इस हिस्से में दीपाली चौक, मधुबन चौक,

उत्तरी पीतमपुरा- प्रशांत विहार, हैदरपुर गांव, हैदरपुर बादली मोड़, भलस्वा व मजलिस पार्क सात मेट्रो स्टेशन होंगे। मधुबन चौक, हैदरपुर बादली मोड़ व मजलिस पार्क इंटरचेंज स्टेशन होगा। इसके शुरू होने से मजेंटा लाइन की कुल लंबाई 49 किलोमीटर हो जाएगी।

बाहरी दिल्ली की कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी

पिंक लाइन पर 12.318 किलोमीटर लंबा मजलिस पार्क-मौजपुर कॉरिडोर भी बन गया है। इस कारिडोर पर मजलिस पार्क, बुराड़ी, झड़ौदा माजरा, जगतपुर-वजीराबाद, सूरघाट, नानकसर- सोनिया विहार, खजूरी खास, भजनपुरा, यमुना विहार और मौजपुर-बाबरपुर आठ मेट्रो स्टेशन हैं।

यह पहले से संचालित मजलिस पार्क-शिव विहार पिंक लाइन का हिस्सा है। इसके शुरू होने से पिंक लाइन की कुल लंबाई 71.56 किलोमीटर हो जाएगी। यह देश की पहला रिंग मेट्रो होगी। इन दोनों कारिडोर के शुरू होने से नोएडा, गाजियाबाद और पूर्वी दिल्ली से बाहरी दिल्ली की कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी।

फेज-पांच (ए) के तीन कारिडोर का शुरू होगा निर्माण कार्य

आरके आश्रम मार्ग-इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर : मजेंटा लाइन पर बनने वाले इस कारिडोर की कुल लंबाई 9.913 किलोमीटर है। इस पर नौ मेट्रो स्टेशन आरके आश्रम मार्ग, शिवाजी स्टेडियम, केंद्रीय सचिवालय, कर्तव्य भवन, बड़ौदा हाउस, इंडिया गेट, वार मेमोरियल-हाई कोर्ट, भारत मंडपम और इंद्रप्रस्थ होंगे। यह कारिडोर सेंट्रल विस्टा क्षेत्र से होकर गुजरेगा और सभी कर्तव्य भवनों को जोड़ेगा।

एरोसिटी-इंदिरा गांधी एयरपोर्ट टर्मिनल1 कारिडोर : गोल्डन लाइन पर 2.263 किमी लंबे इस कारिडोर पर एरोसिटी व एअरपोर्ट टर्मिनल-1 स्टेशन होंगे। इससे एरोसिटी से टर्मिनल-1 जाना आसान होगा। साथ ही एअरपोर्ट के तीनों टर्मिनल भी मेट्रो रूट से आपस में जुड़ जाएंगे।

तुगलकाबाद-कालिंदी कुंज कॉरिडोर : गोल्डन लाइन के इस कारिडोर की कुल लंबाई 3.9 किलोमीटर है। इसपर सरिता विहार डिपो, मदनपुर खादर और कालिंदी कुंज स्टेशन बनेंगे। इससे दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के साथ ही नोएडा व फरीदाबाद के बीच आना जाना आसान होगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विकसित दिल्ली का संकल्प पूरा करने में इन परियोजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राजधानी में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का विस्तार। प्रदूषण रोकथाम में मदद मिलेगी। एनसीआर के शहरों को लाभ होगा। फरीदाबाद और बल्लभगढ़ में रहने वाले वायलेट लाइन के माध्यम से तुगलकाबाद पहुंचकर गोल्डन लाइन से सीधे आइजीआइ एयरपोर्ट टर्मिनल एक तक जा सकेंगे। वहीं, नोएडा के यात्री मजेंटा लाइन से कालिंदी कुंज पहुंचकर गोल्डन लाइन के माध्यम एयरपोर्ट और दक्षिणी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों तक आसानी से यात्रा कर सकेंगे।

पूर्व क्रिकेटर कपिल देव को सीएम योगी ने दी अहम जिम्मेदारी, कहा- क्रिकेट में नाम कमाया, अब...

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश स्थित गौतमबुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा में KDSG अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व क्रिकेटर को अहम जिम्मेदारी सौंपी है.

उन्होंने कहा है कि कहा कपिल देव सेवा के क्षेत्र में काम करेंगे,क्रिकेट में कपिल देव ने नाम कमाया,अब सेवा के क्षेत्र में नाम कमाएंगे'स्वास्थ्य क्षेत्र सभी के लिए महत्वपूर्ण,सभी को स्वास्थ्य की चिंता होती है,यूपी में स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम हुआ.

इसके अलावा सीएम ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड या मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का कार्ड नहीं बन पाया है, तो उसके लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है. पिछले एक वर्ष में मुख्यमंत्री राहत कोष से लगभग ₹1,300 करोड़ की धनराशि स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए उपलब्ध कराई गई है.

आज देश में 23 एम्स कार्यरत- सीएम

सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा के शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर, शिक्षामित्र, अनुदेशक तथा बेसिक शिक्षा परिषद में कार्यरत

रसोइयों को भी ₹5 लाख तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है.

उन्होंने कहा कि साल 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में गवर्नमेंट सेक्टर में केवल 17 मेडिकल कॉलेज ही संचालित थे. आज उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों में 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज' के लक्ष्य को लगभग प्राप्त कर लिया गया है और वर्तमान में प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं.

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 तक भारत में केवल 6 एम्स ही कार्य कर रहे थे. आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए इनिशिएटिव के परिणामस्वरूप देश में वर्ल्ड क्लास हेल्थ फैसिलिटी के साथ 23 एम्स कार्यरत हैं और बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं.

उन्होंने कहा कि एक मरीज जब किसी डॉक्टर के पास आता है, तो वह विश्वास के साथ आता है. डॉक्टर का अच्छा व्यवहार मरीज की आधी से अधिक बीमारी को दूर कर देता है. इसके बाद दवा भी होती है और दुआ भीङ्ग दोनों साथ मिलकर कार्य करते हैं. उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है, जहां 5 करोड़ 60 लाख से अधिक लोगों के गोल्डन कार्ड बनाए जा चुके हैं. आज पात्रता सूची में शामिल कोई भी व्यक्ति ₹5 लाख तक की स्वास्थ्य सुविधा का लाभ किसी भी सरकारी अथवा सूचीबद्ध अस्पताल में प्राप्त कर सकता है

भारत चौथी बार टी20 विश्व कप के फाइनल में

टी20 विश्व कप 2026 के हाई-वोल्टेज सेमीफाइनल में भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड के सामने रनों का हिमालय खड़ा कर दिया। वानखेड़े की सपाट पिच पर भारतीय बल्लेबाजों ने तूफानी

खेल दिखाते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 253/7 का विशाल स्कोर बनाया। इंग्लैंड ने जवाब में खेलते हुए तूफानी बैटिंग कर 7 विकेट पर 246 का स्कोर बनाया लेकिन मैच भारत के पक्ष में गया। भारत चौथी बार टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंच गया। टीम इंडिया लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाने में सफल रही।

आर.एन. रवि को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल का अस्थायी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया, भड़कीं सीएम ममता बनर्जी

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गुरुवार को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बोस के इस्तीफे के बाद आर.एन. रवि को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल का अस्थायी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले यह फैसला राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आइए जानते हैं कौन हैं आर.एन. रवि? जिन्हें गर्वनर का कार्यभार सौंपे जाने पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भड़क उठी हैं और इसे मोदी सरकार की पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले साजिश बताया है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्यपाल के इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "पश्चिम बंगाल के राज्यपाल

सी.वी. आनंद बोस के अचानक इस्तीफे की खबर से मैं हैरान और बहुत परेशान हूं।" उन्होंने आगे कहा कि उन्हें इस्तीफे के पीछे के कारणों की जानकारी नहीं, पर मौजूदा हालात में उन्हें किसी राजनीतिक दबाव की आशंका थी।

पश्चिम बंगाल के अंतरिम राज्यपाल नियुक्त आर.एन. रवि वर्तमान में तमिलनाडु के राज्यपाल भी हैं। R. N. Ravi का पूरा नाम रविंद्र नारायण रवि है। इनका जन्म 3 अप्रैल 1952 को Patna में हुआ था। उन्होंने भौतिकी में स्नातकोत्तर करने के बाद 1976 में भारतीय पुलिस सेवा (IPS) में केरल कैडर से अपने करियर की शुरूआत की।

पूर्व IPS अधिकारी हैं आर.एन. रवि

आर.एन. रवि पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं और केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई (CBI) और इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) जैसी संवेदनशील एजेंसियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। खुफिया एजेंसियों और केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम करने के बाद 2021 से तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में सेवा दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों से पहले एक पूर्व आईपीएस अधिकारी को यह अंतरिम प्रभार सौंपना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्टालिन से आर एन रवि का रहा टकराव

आर.एन. रवि का तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के साथ टकराव जगजाहिर है। पिछले कुछ वर्षों में, बीजेपी विरोधी स्टालिन सरकार से उनका कई बार सीधा टकराव हुआ।

जिससे राज्य और राजभवन के बीच अक्सर तनाव बढ़ा।

पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर इसका एक प्रमुख उदाहरण देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री स्टालिन ने राज्यपाल रवि द्वारा आयोजित 'एट होम' (टी पार्टी) कार्यक्रम का बहिष्कार किया। एक अधिसूचना में, रवि का नाम लिए बिना कहा गया, "मुख्यमंत्री ऐसे किसी व्यक्ति का न्योता स्वीकार नहीं करेंगे, जो लगातार तमिलनाडु के लोगों के हितों के खिलाफ काम कर रहा है।" इसमें यह भी स्पष्ट था कि राज्य के अन्य मंत्री भी राजभवन के कार्यक्रम में

विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने दिया इस्तीफा

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। साढ़े तीन साल की सेवा के बाद उनका यह कदम राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों से कुछ ही हफ्ते पहले आया है। दिल्ली में मौजूद बोस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के बाद बोस ने पीटीआई को बताया, "मैंने गवर्नर के ऑफिस में काफी समय बिताया है।"

जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति बनने के बाद राज्यपाल पद खाली हो गया था और सीवी आनंद बोस को 23 नवंबर, 2022 को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया था।

सी.वी. आनंद बोस ने तीन साल और पांच महीने पश्चिम बंगाल का राज्यपाल पद संभाला। अपने कार्यकाल में बोस

राज्य के कई मुद्दों पर मुखर थे और उन्होंने ममता बनर्जी सरकार की नीतियों की लगातार आलोचना की, जिससे राज्य और राजभवन में कई बार टकराव बढ़ा।

तमिलनाडु राज्यपाल आर.एन. रवि को सौंपा गया अतिरिक्त कार्यभार

पीटीआई ने लोक भवन अधिकारियों के हवाले से इसकी पुष्टि की। उनके इस्तीफे के बाद, तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल का अस्थायी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले यह फैसला राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीएम मोदी 6 मार्च को शी-मार्ट विषय पर वेबिनार को करेंगे संबोधित

(जीएनएस)।

बजट के बाद के वेबिनार सत्र-2026 के तहत शुक्रवार को शी-मार्ट विषय पर चर्चा की जाएगी। इस सत्र को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने गुरुवार को एक्स पर लोगों से वेबिनार से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि शी-मार्ट ग्रामीण महिलाओं को उत्पादन से ब्रांडिंग की ओर, स्थानीय बिक्री से राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ने में मदद करेंगे। क्योंकि आज की महिला उद्यमी ही कल की व्यापारिक नेता हैं।

यह महज उत्पाद बेचने की जगह नहीं होगी

मंत्रालय ने कहा कि यह महज उत्पाद बेचने की जगह नहीं होगी, बल्कि एक ऐसा मंच होगा जहां आत्मविश्वास बढ़ेगा, सपने साकार होंगे और महिलाएं उद्यमी के रूप में अपना उचित स्थान प्राप्त करेंगी। दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वावधान में वे अब बड़े बाजारों में कदम रखेंगी, उचित मूल्य अर्जित करेंगी, मजबूत नेटवर्क बनाएंगी और अपनी मेहनत को स्थायी सफलता और आत्मनिर्भरता में बदलेंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संबोधित किए जाने वाले 'ग्रामीण महिला नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए शी-मार्ट विषय पर आयोजित बजट के बाद के वेबिनार सत्र में हमारे साथ जुड़ें।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में 'शी-मार्ट'

उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026-27 में महिला सशक्तीकरण की दिशा में 'शी-मार्ट' की स्थापना की घोषणा की है। इन मार्ट्स को ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के तौर पर विकसित किया जाएगा, जहां महिलाएं अपने उत्पाद खुद बेच सकेंगी। सरकार का मकसद महिलाओं को सिर्फ उत्पादन तक सीमित न रखकर उन्हें सीधे बाजार से जोड़ना है, ताकि वे अपने बिजनेस की असली मालिक बन सकें।

भारतीय वायु सेना का लड़ाकू विमान सुखोई एसयू-30 एमकेआई असम में हुआ लापता, सर्च ऑपरेशन जारी

(जीएनएस)।

भारतीय वायुसेना (IAF) का एक सुखोई Su-30 MKI लड़ाकू विमान रडार से लापता हो गया है। गुवाहाटी रक्षा पीआरओ ने गुरुवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि विमान का पता लगाने के लिए एक तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 4.5वीं पीढ़ी का यह सुखोई विमान गुरुवार शाम लगभग 7 बजे करबी आंगलोंग जिले में एक सॉर्टी के दौरान गायब हुआ। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और स्थानीय लोगों ने भी एक जोरदार धमाका सुना है।

हालांकि, वायुसेना या रक्षा मंत्रालय ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। विमान का पायलट भी लापता है, जिसकी तलाश और बचाव अभियान जारी है। वायुसेना के हेलीकॉप्टर और ग्राउंड टीमें अंतिम रडार लोकेशन के आसपास खोज अभियान चला रही हैं।

गुरुवार को 7:42 बजे के बाद रडार से गायब है सुखोई

भारतीय वायुसेना ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि विमान जोरहाट, असम से उड़ान भरने के बाद से 'ओवरड्यू' घोषित किया गया है। असम के कार्बी आंगलोंग जिले के पहाड़ी क्षेत्र में उड़ान भर रहे भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान

का ग्राउंड कंट्रोल से अचानक संपर्क टूट गया। पर एक पोस्ट में, क्अ्रने पुष्टि की कि विमान से आखिरी संपर्क रात 7:42 बजे हुआ था, जिसके बाद वह रडार से गायब हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मामले से संबंधित अन्य विवरण जुटाए जा रहे हैं।

घनी पहाड़ी और जंगल में सर्च करना हुआ मुश्किल, विमान में कितने लोग सवार थे और उसकी अंतिम ज्ञात स्थिति क्या थी, इस बारे में अधिकारियों ने अभी तक कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, यह विमान पहाड़ी इलाके के ऊपर उड़ रहा था जब यह घटना हुई।

रक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों के अनुसार, रडार संपर्क टूटने वाला इलाका घना जंगल और पहाड़ी है, जिससे खोज व बचाव अभियान बेहद मुश्किल हो रहा है। बचाव दल स्थानीय प्रशासन तथा अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर इस चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में अपना अभियान चला रहे हैं।

Sukhoi Su-30MKI भारतीय वायुसेना का एक प्रमुख ट्विन-इंजन मल्टीरोल फाइटर जेट है। इसमें आमतौर पर दो पायलट (पायलट और वेपन सिस्टम ऑपरेटर) होते हैं। सुखोई-30टङक भारतीय वायुसेना के प्रमुख मल्टी-रोल लड़ाकू विमानों में से एक है, जो देश की वायु रक्षा क्षमता का अहम हिस्सा है। इस श्रेणी के विमानों से जुड़े हादसे पहले भी हुए हैं।

Sukhoi Su-30 MKI पहले कब हुआ दुर्घटनाग्रस्त ?

अगस्त 2019 में, असम के तेजपुर के पास एक IAF सुखोई-30MKI एक नियमित प्रशिक्षण मिशन में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। उसमें दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे।

भारत ने चुन लिया अपना पक्ष ? खामेनई की मौत के 4 दिन बाद एस. जयशंकर ने ईरान के साथ की हाई-लेवल बातचीत

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के बादलों के बीच भारत ने अपनी कूटनीतिक सक्रियता तेज कर दी है। क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर भारत की चिंता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर

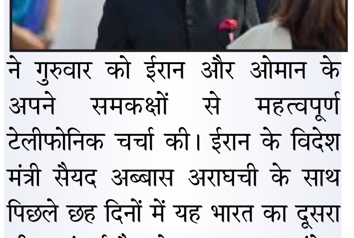

ने गुरुवार को ईरान और ओमान के अपने समकक्षों से महत्वपूर्ण टेलीफोनिक चर्चा की। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ पिछले छह दिनों में यह भारत का दूसरा सीधा संपर्क है, जो इस बात का संकेत है कि नई दिल्ली इस पूरे घटनाक्रम पर बेहद बारीकी से नजर रख रही है।

भारत ने स्पष्ट किया है कि वह तनाव को कम करने और कूटनीतिक समाधान निकालने के पक्ष में है। शांति की इन कोशिशों में ओमान की भूमिका भी महत्वपूर्ण है, जिसे क्षेत्र में एक प्रमुख मध्यस्थ माना जाता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि गुरुवार दोपहर ईरान के विदेश मंत्री

सम्पादकीय

अमरीका और ईंरान के बीच तनाव का रहा पुरान इतिहास

अमरीका द्वारा ईंरान पर किए गए हमलों के बाद भी ओआईंसी की आवाज़ इतनी धीमी क्यों है? 57 मुस्लिम देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला यह संगठन अक्सर फिलिस्तीन जैसे मुद्दों पर मुखर रहता है, प्रस्ताव पारित करता है और कड़े बयान जारी करता है। लेकिन जब मामला ईंरान जैसा प्रभावशाली और क्षेत्रीय शत्तिसंतुलन में अहम देश हो, तब उसकी प्रतिव्रिया अपेक्षावृत नरम क्यों दिखाई देती है? यह प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि राजनीतिक और वूटनीतिक जटिलताओं से जुड़ा है। अमरीका और ईंरान के बीच तनाव कोई नया अध्याय नहीं है। 1979 की इस्लामी व्रांति के बाद से दोनों देशों के संबंधों में अविश्वास और टकराव बना हुआ है। ईंरान के परमाणु कार्यव्रम, उस पर लगाए गए प्रतिबंधों और पामि एशिया में उसकी बढ़ती भूमिका ने इस तनाव को और गहरा किया है। जब भी हालात बिगड़ते हैं, पूरी दुनिया की निगाहें इस क्षेत्र पर टिक जाती हैं। ऐसे समय में उम्मीद की जाती है कि इस्लामिक देश एकजुट होकर शांति, संवाद और न्याय की वकालत करेंगे। पर व्यवहार में तस्वीर अधिक जटिल दिखती है। ओआईंसी का गठन मुस्लिम देशों के बीच सहयोग, एकता और साझा हितों की रक्षा के उद्देश्य से हुआ था। सिद्धांततः यदि किसी सदस्य देश पर संकट आए, तो बाकी देश उसका समर्थन करें और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसकी आवाज़ बनें। लेकिन व्यावहारिक राजनीति में यह संगठन अक्सर औपचारिक बयानों तक सीमित रह जाता है। ईंरान के मामले में भी कई देशों ने सावधानी भरे वत्तव्य दिए, वुछ ने चुप्पी साध ली, और वुछ ने अप्रत्यक्ष रूप से अमरीकी रुख के प्रति सहमति जताईं। इस विभाजन के पीछे सबसे बड़ी वजह मुस्लिम दुनिया के भीतर मौजूद वैचारिक और रणनीतिक मतभेद हैं। पामि एशिया में ईंरान और सऊदी अरब के बीच लंबे समय से प्रभाव की प्रतिस्पर्धा रही है। एक ओर शिया नेतृत्व वाला ईंरान है, तो दूसरी ओर सुन्नी बहुल खाड़ी देश। यह प्रतिस्पर्धा केवल धरमिक पहचान तक सीमित नहीं, बल्कि क्षेत्रीय प्रभुत्व, सुरक्षा और राजनीतिक प्रभाव से भी जुड़ी है। परिणामस्वरूप, किसी भी सामूहिक मंच पर सर्वसम्मति बनाना कठिन हो जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण कईं मुस्लिम देशों के अमरीका के साथ गहरे आर्थिक और सुरक्षा संबंध हैं। खाड़ी देशों की सुरक्षा संरचना काफी हद तक अमरीकी सैन्य सहयोग पर आधारित है। ऊर्जा व्यापार, हथियार सौदे और निवेश संबंध भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में वे खुलकर अमरीका की आलोचना करने से बचते हैं। उनकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हितों और आंतरिक स्थिरता की रक्षा करना होती है। इस यथार्थवादी दृष्टिकोण के कारण वे ईंरान के समर्थन में आामक रुख अपनाने से हिचकते हैं। इसके अलावा, वुछ अरब देशों का मानना है कि क्षेत्रीय तनाव के लिए ईंरान की नीतियाँ भी जिम्मेदार रही हैं। यमन, सीरिया और इराक में उसकी सायिता को लेकर कईं देशों में असंतोष है। इसलिए वे इस टकराव को केवल "मुस्लिम देश बनाम अमरीका" के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे व्यापक भू-राजनीतिक संघर्ष के रूप में आंकते हैं। यही सोच ओआईंसी के भीतर साझा बयानबाज़ी को सीमित कर देती है। ओआईंसी की कार्यंप्रणाली भी एक बाधा है। संगठन अक्सर सर्वसम्मति पर आधारित निर्णय प्रायिा अपनाता है। जब सदस्य देशों के हित, गठबंधन और प्राथमिकताएँ अलग-अलग हों, तब कठोर और स्पष्ट निर्णय लेना कठिन हो जाता है। कईं बार तीखे शब्दों वाले प्रस्ताव पारित तो हो जाते हैं, लेकिन उनके अनुपालन या ठोस वूटनीतिक कदमों का अभाव रहता है। इससे संगठन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं। दूसरी ओर, आम मुस्लिम समाज की अपेक्षाएँ अलग हैं। वे चाहते हैं कि इस्लामिक देश अन्याय या बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ एकजुट स्वर में बोलें। सोशल मीडिया पर भी यह भावना दिखाई देती है कि कम से कम वूटनीतिक स्तर पर मजबूत और स्पष्ट रुख अपनाया जाना चाहिए था। लेकिन सरकारें भावनात्मक आवेगों की बजाय रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा गणनाओं के आधार पर निर्णय लेती हैं। इस स्थिति का व्यापक प्रभाव भी है। यदि 57 देश सचमुच एक मंच पर संगठित होकर बोलें, तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उनका प्रभाव काफी बढ़ सकता है। संयुत्त राष्ट्र जैसे मंचों पर वे एक मजबूत दबाव समूह बन सकते हैं। पर आपसी अविश्वास और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण यह संभावना अक्सर साकार नहीं हो पाती।

सीएम योगी ने ग्रेटर नोएडा में काटा केडीएसजी अस्पताल का फीता, लोगों ने रख दी एक और मांग, जानें

(जीएनएस)।

लोगों ने अस्पताल खुलने को बड़ी राहत बताया. लोकल 18 से सेक्टर-3 के रहने वाले विशेष गौड़ कहते हैं कि क्षेत्र में इतने बड़े और आधुनिक अस्पताल की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी. उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री क्षेत्र के विकास से जुड़ी अन्य समस्याओं पर भी ध्यान देंगे. अभिषेक भाटी ने कहा कि अब 300 से अधिक बेड वाले इस बड़े अस्पताल के खुलने से लोगों को बेहतर और समय पर इलाज मिल सकेगा. प्रोफेसर आरबी सिंह ने कहा कि केडीएसजी जैसे बड़े निजी अस्पताल का खुलना निश्चित रूप से अच्छी बात है, लेकिन इसके साथ ही क्षेत्र में एक बड़े सरकारी अस्पताल की भी जरूरत है.

ग्रेटर नोएडा. दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा वेस्ट में केडीएसजी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के उद्घाटन के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे से स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला. क्षेत्र के लोगों ने अस्पताल खुलने को बड़ी राहत बताया, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या मेट्रो कनेक्टिविटी और सरकारी अस्पताल की जरूरत को भी सामने रखा. स्थानीय निवासी विशेष गौड़, जो ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-3 में रहते हैं, ने बताया कि क्षेत्र में इतने बड़े और आधुनिक अस्पताल की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी. अब तक आसपास छोटे अस्पताल तो थे, लेकिन उन पर लोगों का भरोसा पूरी तरह नहीं बन पाता था. केडीएसजी अस्पताल के शुरू होने से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद हैं.

इस अस्पताल की आधारशिला पूर्व क्रिकेटर कपिल देव ने रखी है, जिन्होंने क्रिकेट के जरिए देश का नाम दुनिया में ऊंचा किया है. ऐसे में लोगों का इस अस्पताल पर विश्वास भी बढ़ा है.

विशेष गौड़ ने यह भी कहा कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी खुशी हुई. उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री क्षेत्र के विकास से जुड़ी अन्य समस्याओं पर भी ध्यान देंगे. ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सबसे बड़ी समस्या मेट्रो कनेक्टिविटी की है. यहां लाखों लोग रहते हैं, लेकिन अभी तक मेट्रो की सुविधा नहीं है. लोगों को रोजाना नौकरी या अन्य काम के लिए नोएडा और दिल्ली जाना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है. उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि क्षेत्र में जल्द से जल्द मेट्रो सुविधा उपलब्ध कराई जाए.

स्थानीय निवासी अभिषेक भाटी ने बताया कि अस्पताल के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलने वाली है. पहले अगर किसी को अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो जाती थी तो इलाज के लिए दिल्ली या अन्य दूर के अस्पतालों में जाना पड़ता था. इससे समय भी ज्यादा लगता था और मरीज के लिए परेशानी भी बढ़ जाती थी. अभिषेक भाटी ने कहा कि अब 300 से अधिक बेड वाले इस बड़े अस्पताल के खुलने से लोगों को बेहतर और समय पर इलाज मिल सकेगा. उन्होंने इसे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताया. भाटी ने कहा कि इस अस्पताल के संचालन से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे. डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, तकनीशियन और अन्य कर्मचारियों के रूप में बड़ी संख्या में लोगों को काम मिलने की उम्मीद है. इससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा.

अच्छी बात लेकिन

इसी तरह क्षेत्र के रहने वाले प्रोफेसर आरबी सिंह ने कहा कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट तेजी से विकसित हो रहा है. यहां बड़ी संख्या में नई हाउसिंग सोसाइटियां बन रही हैं और हर दिन आबादी बढ़ती जा रही है. लेकिन बढ़ती आबादी के हिसाब से स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास भी जरूरी है. केडीएसजी जैसे बड़े निजी अस्पताल का खुलना निश्चित रूप से अच्छी बात है, लेकिन इसके साथ ही क्षेत्र में एक बड़े सरकारी अस्पताल की भी जरूरत है. उन्होंने कहा कि जिम्स जैसे सरकारी अस्पताल की तर्ज पर यहां भी ऐसी सुविधा होनी चाहिए, जहां आम और गरीब लोगों को सस्ती चिकित्सा सेवाएं मिल सकें.

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि अगर क्षेत्र में सरकारी अस्पताल की व्यवस्था होगी तो इससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को काफी राहत मिलेगी और उन्हें इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा. लोगों का यह भी मानना है कि तेजी से बढ़ती आबादी और विकास को देखते हुए क्षेत्र में मेट्रो कनेक्टिविटी और सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं पर भी जल्द ध्यान देना जरूरी है.

अक्षय कुमार ने 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' पर प्रतियोगी के परफ्यूम्स के जुनून को मजेदार पल में बदल दिया

(जीएनएस)।

मुंबईः व्हील ऑफ फॉर्च्यून के मंच पर एक साधारण बातचीत ने मजेदार और अनपेक्षित मोड़ ले लिया, जब अक्षय कुमार को एक कंटेस्टेंट का अनोखा प्रोफेशन पता चला। निकिता से बातचीत के दौरान अक्षय ने पूछा कि वह जीविका के लिए क्या करती हैं। निकिता ने बताया कि वह प्रोफेशनली परफ्यूम बनाती हैं और फ्रेग्रेन्स के बारे में गहरी जानकारी रखती हैं। निकिता के जवाब से प्रभावित होकर अक्षय ने उनकी एक्सपर्टीज को परखने का फैसला किया। वह उनके करीब जाकर बोले कि क्या वह बता सकती हैं कि उन्होंने कौन-सा परफ्यूम लगाया है। जैसे ही निकिता ने खुशबू को महसूस किया, यह बातचीत पल भर के लिए एक फैन-मोमेंट में बदल गई और माहौल और भी मजेदार हो गया। परफ्यूम को समझने के बाद निकिता ने उसे 'प्यार' बताया, यह जताते हुए कि उस खुशबू में मोहब्बत

का एहसास है। उनका जवाब सुनकर सब हँस पड़े और अक्षय ने मजाकिया अंदाज में राहत जताई कि उन्होंने 'प्यार' कहा, 'प्याज' नहीं। इसके बाद अक्षय ने एक निजी किस्सा साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि परिवार के साथ मोरक्को की यात्रा के दौरान उन्होंने सीखा कि परफ्यूम कैसे बनाए जाते हैं, और यह प्रक्रिया जितनी आसान दिखती है, असल में उससे कहीं ज्यादा जटिल होती है। यह पल निकिता की स्पेशलाइज्ड स्किल और अक्षय कुमार के फुतीर्ले 'मर दोनों को उजागर करता है, जहाँ एक साधारण सवाल ने मजेदार और दिलचस्प बातचीत का रूप ले लिया। इस एक्सचेंज ने एपिसोड में हल्की-फुल्की और चंचल ऊर्जा भर दी, दर्शकों को यह दिखाते हुए कि कैसे रोजमर्रा की दिलचस्प बातें शो पर यादगार पलों का कारण बन सकती हैं। व्हील ऑफ फॉर्च्यून देखना न भूलें, सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सिर्फ. सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर और सोनीलिव पर स्ट्रीम करें।

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने द वन एंड ओनली लॉन्च किया

(जीएनएस)।

लखनऊ। ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर, ने कई पीढ़ियों से सफलता के मायने को नई ऊंचाई देते हुये अपना नया कैंपेन 'द वन एंड ओनली' लांच किया है। सफलता की एक नई और प्रभावशाली कहानी पर आधारित यह कैम्पेन आज के समय में, जब सफलता के कई रूप दिखाई देते हैं और प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, तब ब्रांड एक सरल सच सामने लाता है, असली सफलता अलग पहचान में होती है ट जो लोगों की प्रशंसा पाती है और व्यक्ति को दूसरों से अलग बनाती है। देबाश्री दासगुप्ता, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, पर्नोड रिकार्ड इंडिया ने कहा, 'ब्लेंडर्स प्राइड हमेशा स्टाइल और प्रतिष्ठा के साथ सफलता की ताकत पर विश्वास करता रहा है। 'द वन एंड ओनली' सफलता की एक नई सोच पेश करता है, जो अलग पहचान से प्रेरित है। यह उस सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को उजागर करता है कि आज भारत का महत्वाकांक्षी युवा केवल सफल होना ही नहीं चाहता, बल्कि आत्मविश्वास के साथ अलग पहचान भी बनाना चाहता है। सफलता की इसी नई सोच के साथ ब्लेंडर्स प्राइड युवाओं की प्रबल आकांक्षाओं को दशार्ता है और एक प्रेरणादायक सांस्कृतिक लीडर के रूप में अपनी पहचान और मजबूत करता है।' इस नए कैंपेन में इस भावना को तीन चेहरों अवंती नगरथ, किरनदीप चहल और माहका शर्मा के जरिए दिखाया गया है। ये तीनों ब्रांड के अलग-अलग पहलुओं को दशार्ती हैं। अवंती अपने निडर आत्मविश्वास और अलग अंदाज से आकर्षण पैदा करती हैं, किरनदीप अपनी प्रभावशाली और बेबाक मौजूदगी से लोगों को प्रभावित करती हैं, और माहिका अपने संतुलित और शांत व्यक्तित्व से प्रेरणा देती हैं। एक ऐसी दुनिया में, जहां कई लोग समान दिखाई देते हैं, फिर भी ये तीनों और ब्रांड खुद सबसे अलग और खास नजर आते हैं और सभी का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। स्टाइल और गुणवत्ता से जुड़ा यह ब्रांड लगातार आधुनिक भारतीय संस्कृति में प्रेरणादायक सफलता को बढ़ावा देता आया है ट नए प्रयोगों में आगे रहकर, उद्योग में कई नई शुरूआत करते हुए और प्रतिष्ठित फैशन प्लेटफॉर्म बनाकर। 'द वन एंड ओनली' के साथ अब ब्रांड अपने अगले चरण की ओर

बढ़ रहा है और नई पीढ़ी के उन युवाओं से जुड़ रहा है, जो केवल पहचान नहीं बल्कि सम्मान और प्रभाव भी चाहते हैं। यह 360-डिग्री इंटीग्रेटेड कैंपेन डिजिटल और सोशल प्लेटफॉर्म, चल रहे आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप, प्रमुख अखबारों के फ्रंट पेज विज्ञापनों और बड़े शहरों के आउटडोर विज्ञापन स्थलों पर लॉन्च किया गया है, जिससे इसे व्यापक पहचान मिल रही है और ब्रांड की सांस्कृतिक नेतृत्व की छवि मजबूत हो रही है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने अपने रूपे ऑन-द-गो काड्र्स के लिए इंस्टैंट एनएफसी-बेस्ड बैलेंस अपडेट लॉन्च किया

(जीएनएस)।

लखनऊ 5 मार्च 2026: उद्योग जगत में पहली बार पेश किया गया यह फीचर NFC पॉवर्ड एन्ड्रॉयड स्मार्टफोन पर कभी भी और कहीं भी एक टैप द्वारा RuPay ऑन-द-गो काड्र्स का बैलेंस चेक करना और अपडेट करना करने की सुविधा देता है

आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने अपने RuPay NCMC ऑन-द-गो काड्र्स पर इंस्टैंट NFC-बेस्ड बैलेंस अपडेट फीचर पेश किया। अब ग्राहक अपने कार्ड का बैलेंस NFC पॉवर्ड एन्ड्रॉयड स्मार्टफोन पर कार्ड को टैप करके तुरंत चेक और अपडेट कर सकते हैं, जिससे मेट्रो स्टेशन के कियोस्क जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और एक सहज, पूरी तरह से डिजिटल यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा।

यह फीचर एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने कुछ महीने पहले पेश करके इसके वास्तविक उपयोग की जानकारी एकत्रित की थी तथा ग्राहकों का फीडबैक लिया था। इस पायलट में ग्राहकों ने इसे बहुत पसंद किया तथा इसे काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इससे साबित हो गया कि यह फीचर यूजर्स के लिए काफी दैनिक उपयोगिता रखता है। यूजर्स का पॉजिटिव फीडबैक मिलने के बाद अब बैंक इसे अपने RuPay ऑन-द-गो काड्र्स के सभी यूजर्स के लिए लॉन्च कर रहा है।

इस सुविधा के साथ, यात्री एयरटेल थैंक्स ऐप पर अपने बैंक खाते या वॉलेट में लॉग इन करने के बाद, अपने लिंक किए गए NFC-इनेबल्ड एंड्रॉइड स्मार्टफोन पर कार्ड टैप करके अपने कार्ड बैलेंस को रियल टाइम में अपडेट या चेक कर सकते हैं। कार्ड ऑर्डर करने और रिचार्ज करने से लेकर बैलेंस को तुरंत अपडेट या चेक करने तक, पूरी प्रक्रिया अब पूरी तरह से डिजिटल, बिना कतार के और बेहद आसान है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर - बिजनेस ऑपरेशंस, श्री गणेश अनंतनारायणन ने कहा, "एयरटेल पेमेंट्स बैंक में हम निरंतर ऐसे इनोवेशन करने पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, जो दैनिक लेन-देन को और ज्यादा आसान एवं इन्ट्यूटिव बना दे। हमारे पायलट फेज में मिली बेहतरीन प्रतिक्रिया से ऑन-द-गो रहते हुए तुरंत बैलेंस अपडेट होने की जरूरत प्रमाणित हो गई। इस लॉन्च के साथ हमें उद्योग का ऐसा पहला सॉल्यूशन पेश करने पर गर्व है, जो ग्राहकों की सुविधा भी बढ़ाएगा और भारत में डिजिटल पेमेंट एवं मोबिलिटी के परिवेश को मजबूत भी करेगा।"

एयरटेल पेमेंट्स बैंक RuPÔy ऑन-द-गो काड्र्स के मुख्य जारीकर्ता बैंकों में से एक है। यह आज तक 5 मिलियन से अधिक कार्ड जारी कर चुका है। यह लॉन्च भारत के ट्रांजिट परिवेश में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ग्राहकों का अनुभव बेहतर बनाने के लिए अत्याधुनिक फाईनेंशियल एवं मोबिलिटी समाधानों का निर्माण करने की बैंक की प्रतिबद्धता पर जोर देता है।

'चिरिकी चिरिकी' के लिए 200+ मिलियन व्यूज मिलने के बाद अब 'पेड्डी' का दूसरा धमाका, 'रई रई रा रा' में दिखा राम चरण का इलेक्ट्रिफाइंग अवतार

पेड्डी का 'रई रई रा रा' गाना आउटः ए.आर. रहमान के म्यूजिक और राम चरण के हाई-एनर्जी स्वैग ने मचाया धमाल

(जीएनएस)।

मुम्बई_'पेड्डी' में राम चरण और जाह्नवी कपूर लीड रोल में हैं, जबकि जगपति बाबू एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के पहले गाने 'चिकिरी चिकिरी' के 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार करने के बाद, मेकर्स ने अब इसका जोश से भरा दूसरा सिंगल "रई रई रा रा" रिलीज कर दिया है।'पेड्डी' 2026 की सबसे चर्चित और मोस्ट-अवेटेड फिल्मों में से एक है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में हैं। विजनरी डायरेक्टर बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जब से इस प्रोजेक्ट का एलान हुआ है, तब से ही दुनिया भर में इसे लेकर जबरदस्त बज और एक्साइटमेंट बना हुआ है। फिल्म का पहला गाना, 'चिकिरी चिकिरी', इंटरनेट पर छा गया और देखते ही देखते फैन्स का फेवरेट बन गया। सभी प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार करने के

साथ ही, यह साल के सबसे बड़े गानों में से एक बनकर उभरा है।'चिकिरी चिकिरी' की जबरदस्त कामयाबी के बाद, मेकर्स ने अब दूसरा गाना "रई रई रा रा" रिलीज कर दिया है। यह ट्रैक एक और हाई-एनर्जी एंथम है, जिसमें राम चरण ने एक बार फिर अपने बेमिसाल डांस मूव्स, स्टाइल और स्वैग का जलवा बिखेरा है। इसे देखकर हर किसी को याद आ गया कि उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन डांसर्स में क्यों गिना जाता है। इस जादू को और बढ़ा रहा है ए. आर. रहमान का म्यूजिक, जिनकी वाइब्रेंट कंपोजिशन ने इस गाने को एक दमदार और थिरकने पर मजबूर कर देने वाला नंबर बना दिया ।

'चिकिरी चिकिरी' के पहले सिंगल ने रिलीज होते ही काफी धूम मचा दी थी, और सुनने वालों ने इसके रिफ्रेशिंग वाइब और ए. आर. रहमान के सिग्नेचर स्टाइल की खूब तारीफ की है। यह ट्रैक अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज बटोर चुका है, जो फिल्म के म्यूजिक को लेकर बढ़ते क्रेज को साफ दिखाता है। अब दूसरा गाना भी इंटरनेट पर छा जाने और चार्टबस्टर हिट बनने के लिए पूरी तरह तैयार है।बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित 'पेड्डी' में राम चरण टाइटल रोल में हैं, साथ ही फिल्म में शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। वेंकट सतीश किलरू द्वारा अपने बैनर वृद्धि सिनेमास के तहत और मशहूर प्रोडक्शन हाउस माइथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से बनी यह फिल्म 30 अप्रैल, 2026 को रिलीज होने वाली है।

'होली आई रे' में रंगों, संगीत और उत्साह के साथ लखनऊवासियों ने मनाई यादगार होली

(जीएनएस)।

*बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री "पाखी हेगड़े" और डीजे आशिका की दमदार मौजूदगी ने पूरे कार्यक्रम में ग्लैमर, उत्साह और मनोरंजन का शानदार माहौल बना दिया।

*ड्रीम वर्ल्ड रिजॉर्ट द्वारा होली के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

लखनऊः होली के अवसर पर ड्रीमवर्ल्ड रिजॉर्ट, लखनऊ में आयोजित भव्य कार्यक्रम 'होली आई रे - सेलिब्रेशन 2026' का शानदार और सफल आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में रंगों, संगीत और मनोरंजन के अनोखे संगम के बीच लोगों ने उत्साह और उमंग के साथ होली का त्योहार मनाया। कार्यक्रम की खास आकर्षण बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री पाखी हेगड़े की शानदार प्रस्तुति रही, जिनकी परफॉर्मेंस पर लोगों ने जमकर मस्ती की और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, परिवारों और होली प्रेमियों ने भाग लिया और पूरे जोश के साथ इस रंगारंग उत्सव का आनंद उठाया।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए (चेयरमैन)मनीष वर्मा ने बताया कि 'होली आई रे' का उद्देश्य लखनऊवासियों को एक सुरक्षित, व्यवस्थित और प्रीमियम होली उत्सव का अनुभव प्रदान करना था। उन्होंने कहा कि आयोजन में सुरक्षा, स्वच्छता और बेहतर व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया, ताकि सभी लोग बिना किसी चिंता के इस त्योहार का आनंद ले सकें। उन्होंने यह भी कहा कि लखनऊ के लोग हमेशा से सांस्कृतिक और उत्सवप्रिय रहे हैं, और ऐसे आयोजन शहर की सामाजिक और सांस्कृतिक ऊर्जा को और मजबूत बनाते हैं।

इस आयोजन में सेलेब्रिटी गेस्ट पाखी हेगड़े की मौजूदगी ने कार्यक्रम में खास आकर्षण जोड़ा, वहीं डीजे आशिका की धमाकेदार धुनों पर युवाओं ने जमकर डांस किया। रंगों की मस्ती, संगीत की धुनों और रोमांचक पूल पार्टी ने पूरे माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। कुल मिलाकर 'होली आई रे' कार्यक्रम ने लखनऊवासियों को एक यादगार और आनंदमय होली का अनुभव प्रदान किया।

एक्सेल एंटरटेनमेंट, चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट और सूटेबल पिक्चर्स की 'बूंग' कल सिनेमाघरों में देगी दस्तक, रिलीज से पहले मेकर्स ने जारी किया नया पोस्टर

(जीएनएस)।

बाफ्टा (इअऋळअ) विजेता यह फिल्म 6 मार्च, 2026 को अपने बड़े पर्दे पर डेब्यू यानी सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुम्बई,थियेट्रिकल रिलीज में अब बस एक दिन बचा है, और 'बूंग' के मेकर्स ने एक शानदार नया पोस्टर जारी करके एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। एक्सेल एंटरटेनमेंट, चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट और सूटेबल पिक्चर्स के साथ मिलकर बनी यह फिल्म कल, 6 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार

'बूंग' की रिलीज भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, क्योंकि हाल ही में यह फिल्म प्रतिष्ठित ब्रिटिश एकेडमी फिल्म

अवॉर्ड्स (इअऋळअ) जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी है। इस सम्मान ने मणिपुरी भाषा की इस फिल्म को ग्लोबल स्टेज पर ला खड़ा किया है और भारत की क्षेत्रीय कहानियों की ताकत को दुनिया के सामने रखा है।

लक्ष्मीप्रिया देवी द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म का प्रीमियर सबसे पहले टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। इसके बाद इसने वारसॉ, साओ पाउलो, एडिलेड और तेलिन ब्लैक नाइट्स जैसे कई बड़े अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स का शानदार सफर तय किया। हर जगह इस फिल्म ने अपनी सादगी और दिल को छू लेने वाली कहानी की वजह से एक अलग पहचान बनाई।'बूंग' एक मणिपुरी कहानी है जो एक छोटे लड़के (गुगुन किपगेन द्वारा निभाया गया किरदार) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने टूटे हुए परिवार को फिर से एक करना चाहता है। बूंग की परवरिश उसकी सिंगल मदर मंदाकिनी (बाला हिजाम निंगथौजम) ने की है। वह अपने लापता पिता को खोजने के लिए अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ एक भावुक सफर पर निकलता है। यह फिल्म उम्मीद, जुझारूपन और माँ-बेटे के अटूट रिश्ते जैसे बेहद महत्वपूर्ण विषयों को छूती है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com•garvigujarat2007@yahoo.com•Website : www.garvigujarat.co.in

होली को लेकर अनपरा पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, ...शांति-सुरक्षा से पर्व मनाने को दिया संदेश

(जीएनएस)।

रेणुसागर (सोनभद्र)। होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से अनपरा पुलिस द्वारा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया।

फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर अनपरा बाजार, ककरी मोड़, रेणुसागर मार्ग एवं संवेदनशील इलाकों से होते हुए प्रमुख चौराहों तक पहुंचा। इस दौरान पुलिस बल ने आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए होली त्यौहार में आपसी भाईचारा बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की।क्षेत्राधिकारी हर्ष पाण्डेय ने कहा कि होली रंगों और खुशियों का त्योहार है, इसे प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर सुरक्षित होली मनाने की भी अपील की।

थाना प्रभारी सतेन्द्र राय ने बताया कि त्योहार को देखते हुए पुलिस द्वारा लगातार गश्त, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी एवं सोशल मीडिया मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस कर्मियों की मौजूदगी से आमजन में सुरक्षा की भावना दिखाई दी और लोगों ने पुलिस की पहल का स्वागत किया।

'महिला-नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमिता को गति देने हेतु पंजाब नेशनल बैंक ने 'पी.एन.बी. डिजी श्रेष्ठा डिजिटल ऋण योजना शुरू की'

05 मार्च 2026: पंजाब नेशनल बैंक (PNB), भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के वित्तीय सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए 'पी.एन.बी. डिजी श्रेष्ठा डिजिटल ऋण योजना' की शुरूआत की है। यह योजना विशेष रूप से उन महिला ग्राहकों के लिए बनाई गई है जो राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की सदस्य हैं।

यह पहल 'लखपति दीदी' बनाने और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय दृष्टिकोण से जुड़ी है। डिजी श्रेष्ठा योजना डिजिटल बैंकिंग को अपनाने को प्रोत्साहित करती है और महिलाओं को तेज, पारदर्शी और सहज तरीके से संस्थागत ऋण तक पहुँच प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का ऋण, पूरी तरह डिजिटल स्वीकृति और खाता खोलने की प्रक्रिया, सरल आवेदन और न्यूनतम दस्तावेजीकरण की सुविधा उपलब्ध है।

डिजी श्रेष्ठा ऋण के माध्यम से, पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण भारत में महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों को मजबूत बना रहा है, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रहा है और सतत सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दे रहा है। इस महिला दिवस पर, बैंक देशभर की महिलाओं के साहस, महत्वाकांक्षा और नेतृत्व का उत्सव मनाता है तथा उनके विकास यात्रा के हर कदम पर साथ देने का संकल्प दोहराता है।

आयतुल्लाह अली खामिनेई की शहादत पर भव्य जुलूस, हजारों मोमिनीन ने दी श्रद्धांजलि

(जीएनएस)।

लखनऊ। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सय्यद अली खामिनेई की 28 फरवरी 2026 को अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हवाई हमलों में हुई शहादत ने पूरी दुनिया के शिया समुदाय को गहरे शोक में डाल दिया है। भारत के उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी इस दुखद घटना का गहरा असर देखने को मिला, जहां शिया मुसलमानों ने बड़े पैमाने पर शोक व्यक्त किया।

2 मार्च 2026 की रात लगभग 8 बजे, साहदातगंज इलाके में स्थित मस्जिद नवाब घसीटा नूरबाड़ी से एक अजीमो-शान जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में हजारों की तादाद में मोमिनीन (शिया समुदाय के लोग) शामिल हुए, जिन्होंने मातम मनाते हुए और नारे लगाते हुए हिस्सा लिया। जुलूस नूरबाड़ी से शुरू होकर बुनियादबाग, काजमैन होते हुए अंत में दरगाह हजरत अब्बास (अ.) पहुंचा।

यह जुलूस खामिनेई की शहादत के विरोध और उनकी याद में निकाला गया था। शिया समुदाय के लोगों ने उन्हें हमारा शेर और हुसैनी करार देते हुए अमेरिका व इजराइल के खिलाफ जोरदार नारे लगाए। तुम कितने हुसैनी मारोगे, हर घर से हुसैनी निकलेगा जैसे नारे पुराने शहर की गलियों में गूंजते रहे। कई जगहों पर काले परचम लहराए गए, इमामबाड़ों पर शोक का माहौल रहा और बाजारों में बंदी का ऐलान किया गया।

लखनऊ के प्रमुख शिया धर्मगुरुओं ने तीन दिवसीय शोक की घोषणा की थी, जिसके तहत शहर भर में शोकसभाएं, मातम और कैंडल मार्च निकाले गए। पुराने लखनऊ के छोटे इमामबाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा और अन्य इलाकों में लोग खामिनेई की तस्वीरें लेकर सड़कों पर उतरे। महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जिन्होंने रोते-बिलखते अमेरिका-इजराइल के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया।

यह घटना लखनऊ के शिया समुदाय की एकजुटता और ईरान के साथ गहरे भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाती है। लखनऊ में ऐसे जुलूस और प्रदर्शन पहले भी हुसैनी परंपरा के तहत निकाले जाते रहे हैं, लेकिन इस बार की शहादत ने इसे और अधिक भावुक बना दिया। समुदाय के नेताओं का कहना है कि खामिनेई की शहादत इस्लामी क्रांति को कमजोर नहीं कर पाएगी, बल्कि इसे और मजबूत बनाएगी।

शिया समुदाय ने ईरान में जारी 40 दिवसीय राष्ट्रीय शोक का समर्थन करते हुए भारत में भी एकजुटता दिखाई है। लखनऊ सहित यूपी के कई शहरों में इसी तरह के विरोध और श्रद्धांजलि कार्यक्रम जारी हैं।

होम क्रेडिट इंडिया की स्टडीज रेखांकित करती हैं महिलाओं को भारत की मौन वित्तीय क्रांतिकारियों के रूप में

(जीएनएस)।

5 मार्च 2026: इस महिला दिवस पर, अग्रणी कन्ज्यूमर फाइनैंस कंपनी होम क्रेडिट इंडिया, वित्त के क्षेत्र में भारतीय महिलाओं के देश की "मौन डिजिटल लीडर्स" के रूप में उभरने का उत्सव मना रही है। 'हाउ इंडिया बरोज स्टडी 2025' (एचआईबी 7.0) और 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट' (जीआईडब्लू 3.0) के निष्कर्ष कई ऐसे रुझानों को दशार्ते हैं जो बताते हैं कि महिलाएँ ऑनलाइन कॉमर्स को बढ़ावा देकर, वित्तीय शिक्षा को प्राथमिकता देकर और विवेक एवं उद्देश्य के साथ उत्तरदायी क्रेडिट अपनाने के तरीकों को नया आकार देकर भारत के डिजिटल क्रेडिट विकास का सूक्ष्मता से नेतृत्व कर रही हैं।

भारत के डिजिटल बदलाव का नेतृत्व कर रहीं महिलाएं

डिजिटल उपभोक्ता व्यवहार को अपनाने में महिलाएँ सबसे आगे हैं; एचआईबी 7.0 के अनुसार 66% महिलाएँ ऑनलाइन शॉपिंग करती हैं। डिजिटल कॉमर्स की सुविधा महिलाओं को घरेलू खरीदारी को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने, समय का सदुपयोग करने और वित्तीय स्वतंत्रता बनाने में सक्षम बना रही है।

इसके साथ ही, महिलाएँ एम्बेडेड फाइनेंस साल्यूशन्स के प्रति भी अधिक रुचि दिखा रही हैं। 51% महिलाएँ पुरुषों (49%) की तुलना में एम्बेडेड फाइनेंस को अधिक प्राथमिकता देती हैं, जो निर्बाध और खरीदारी के स्थान पर मिलने वाले क्रेडिट विकल्पों के प्रति उनके बढ़ते भरोसे को दशार्ता है।

हालांकि भरोसा अभी भी केंद्र में है। जहाँ भौतिक रूप से पीओएस या बैंक जाने की प्राथमिकता में कमी आई है, वहीं 39% महिलाएँ अब भी व्यक्तिगत संपर्क को महत्व देती हैं, जो यह संकेत देता है कि महिलाएँ डिजिटल सुविधा और सोच-समझकर लिए गए निर्णयों के बीच संतुलन बनाकर चलती हैं।

विवेकशील शिक्षार्थी

डिजिटल माध्यमों को अपनाने के अलावा, ये अध्ययन इस बात पर जोर देते हैं कि महिलाएँ ज़िम्मेदार तरीके से ऋण लेने की परिभाषा को फिर से लिख रही हैं। एचआईबी 7.0 से पता चलता है कि 65% महिलाएँ केवल जरूरत पड़ने पर ही कर्ज लेती हैं, जो उनके संयम और विचारशील निर्णय लेने की क्षमता को दशार्ता है। लगभग 46% महिलाएँ ऋण लेने से पहले दोस्तों और परिवार से सलाह लेती हैं और 34% महिलाएँ ऋण लेने से पहले सक्रिय रूप से अपना क्रेडिट स्कोर चेक करती हैं, जो उनकी परामर्शपूर्ण और जागरूक मानसिकता को दशार्ता है।

वित्तीय साक्षरता एक बड़े अंतर के रूप में उभर रही है, जहाँ 66% महिलाएँ सक्रिय रूप से वित्तीय शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं। साथ ही, 74% महिलाएँ ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के बारे में जागरूक हैं,जो पुरुषों के बराबर है, हालांकि 31% महिलाएँ अब भी भरोसेमंद सर्किल में संवेदनशील वित्तीय विवरण साझा करती हैं। यह चल रहे डिजिटल सुरक्षा जागरूकता के महत्व को रेखांकित करता है। क्रेडिट उत्पादों का चयन करते समय, महिलाएँ स्पष्ट प्राथमिकताएँ दिखाती हैं; 49% महिलाएँ कम ब्याज दरों और पुनर्भुगतान की पूर्ण पारदर्शिता को अधिक महत्व देती हैं, जबकि 43% महिलाएँ ऋण की त्वरित संवितरण को महत्व देती हैं। कुल मिलाकर, ये निष्कर्ष वित्तीय निर्णय लेने के प्रति एक परिपक्व और नपे-तुले दृष्टिकोण को उजागर करते हैं।

ये निष्कर्ष दशार्ते हैं कि महिलाएँ डिजिटल क्रेडिट को अधिक जिम्मेदारी के साथ अपना रही हैं। फाइनेंशियल इकोसिस्टम के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है कि वह सरल उत्पादों, पारदर्शी मूल्य संरचनाओं और विशेष रूप से महिला उधारकताओं को सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई लक्षित वित्तीय साक्षरता पहलों के माध्यम से, उनके भीतर और अधिक भरोसा और आत्मविश्वास पैदा करे।

आकांक्षाओं को ऊंचा व यथार्थवादी रखना

जीआईडब्लू 3.0 के अनुसार, अब 75% महिलाएँ घरेलू आय में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं, जो एक बड़े सामाजिक-आर्थिक बदलाव का संकेत है। उनकी महत्वाकांक्षाएँ केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे परिवार की दीर्घकालिक सुरक्षा और जीवनस्तर में सुधार पर केंद्रित हैं। विशेष रूप से, 26% महिलाएँ अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए बेहतर नौकरियों की तलाश में हैं, जबकि 22% महिलाएँ अपना स्वयं का सफल व्यवसाय खड़ा करने की आकांक्षा रखती हैं।

अध्ययन यह भी बताता है कि 31% महिलाएँ अपना घर खरीदने का सपना देखती हैं और 26% अपने बच्चों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखती हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये दोनों लक्ष्य पुरुषों, जेन-जी, मिलेनियल्स और जेन-एक्स की तुलना में महिलाओं में सबसे अधिक देखे गए हैं। उत्साहजनक बात यह है कि 67% महिलाओं ने अगले पाँचङ्ग

कियो नेशनल कराटे चैंपियनशिप में यूपी ने जीते दो रजत व तीन कांस्य पदक

(जीएनएस)।

लखनऊ उत्तर प्रदेश के कराटे खिलाड़ियों ने नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 26 फरवरी से एक मार्च, 2026 तक आयोजित पांचवीं कियो नेशनल कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो रजत व तीन कांस्य सहित पांच पदक जीतकर उत्तर प्रदेश को गौरवान्वित किया।

चैंपियनशिप में मथुरा के अरुण कुमार ने अंडर-21 बालक कुमिते के 84 किग्रा से अधिक भार वर्ग में रजत पदक जीता जबकि वाराणसी की शशिकला मौर्या ने बालिका अंडर-21 काता में रजत पदक नाम किया।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश के लिए पुरुष सीनियर टीम काता में लखनऊ के खिलाड़ियों ने कांस्य जीता। इस टीम में जय भारत दुबे, ज्ञानेश सिंघल, आशीष कुमार व अभिषेक गौतम शामिल रहे जो लखनऊ की द टाउंस कराटे अकादमी में अभ्यास करते है।

वहीं वाराणसी की आकांक्षा ने बालिका अंडर-21 कुमिते के 61 किग्रा से कम भार वर्ग में और नोएडा के ठाकुर चौहान ने बालक अंडर-21 कुमिते के 75 किग्रा से कम भार वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किए।

चैंपियनशिप में पदक विजेताओं को कराटे इंडिया आर्गेनाइजेशन (कियो) के महासचिव संजीव कुमार जांगड़ा ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

वहीं उत्तर प्रदेश के पदक विजेताओं को कराटे एसोसिएशन ऑफ यूपी के चेयरमैन कुणाल सिल्कू (आईएएस), अध्यक्ष टीपी हवेलिया, कार्यकारी अध्यक्ष डा.सैयद रफत जुबैर रिजवी और महासचिव जसपाल सिंह ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

इमाम हसन के जन्मदिन पर 109 जरूरतमंद परिवारों को रमजान राशन वितरित

(जीएनएस)।

लखनऊ। ऑल इंडिया शिया हुसैनी फंड की ओर से इमाम हसन के जन्मदिन के अवसर पर रमजान माह को ध्यान में रखते हुए जरूरतमंद परिवारों के बीच राशन का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के तहत कुल 109 परिवारों को लगभग 32 किलो का राशन पैकेट प्रदान किया गया।

वितरित किए गए राशन पैकेट में तेल, शक्कर, चावल, आटा, विभिन्न प्रकार की दालें, सेवईं और नमक शामिल थे, जिससे जरूरतमंद परिवारों को रमजान के दौरान राहत मिल सके।

राशन वितरण कार्यक्रम में चेयरमैन मोहम्मद जकी, इसारूल हसन, हसन मेहदी झब्बू, हुसैन जामिन, शाहिद काज़िम और रईस आलम ने सक्रिय रूप से भाग लिया और स्वयं जरूरतमंदों को राशन वितरित किया।

कार्यक्रम की शुरूआत से पहले मौलाना सखलैन आब्दी ने इमाम हसन के जीवन, उनके आदर्शों और शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इमाम हसन का जीवन समाज में भाईचारे, सहनशीलता और जरूरतमंदों की मदद करने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने समाज के लोगों से अपील की कि वे भी जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं और इमाम हसन की शिक्षाओं पर अमल करें।

हिंडालको रेनुसागर में होलिकोत्सव धूमधाम से गया मनाया, होली का पर्व प्रेम, सद्भाव और एकता का प्रतीक है

(जीएनएस)।

रेणुसागर (सोनभद्र)। अनपरा हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह के मार्गदर्शन में होलिकोत्सव बड़े ही उत्साह, उमंग और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हेड एच आर आशीष पांडेय ने रेनुसागर रामलीला मैदान में पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना, हवन कर होलिका दहन किया गया। तत्पश्चात दूसरे दिन हिन्डाल्को रेनुसागर परिसर मे स्थित सुमंगलम भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया। होली मिलन कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें गीत-संगीत और होली के पारंपरिक लोकगीतों ने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे के

साथ खुशियां साझा करते हुए भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। इस अवसर पर हेड एच आर आशीष पांडेय ने कहा कि होली का पर्व प्रेम, सद्भाव और एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच आपसी सहयोग, अपनापन और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करते हुए एक-दूसरे को होली की हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम में कंपनी के ईआर हेड मृदुल भारद्वाज, ब्रजेश कुमार बर्मा, सुधाकर अन्नामलाई, सौम्य मिश्रा, रोहित सक्सेना, सदानन्द पांडेय, राजेश राय मान्यता प्राप्त यूनियन के पदाधिकारी राम झा, निर्दोष सिंह, शैलेन्द्र यादव सहित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रंगों के इस पावन पर्व का आनंद लिया।

अनफिट वाहन फिट करायें ,बकाया कर जमा कराएं

(जीएनएस)।

अयोध्या, आज आर टी ओ कार्यालय अयोध्या में दिनांक 5 मार्च 2026 को आरटीओ प्रशासन सुश्री ऋतु सिंह द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा करते हुए मंडल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए गए की आईजीआरएस , ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्राप्त प्रकरण, रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यूअल लाइसेंस आदि सभी लंबित प्रकरणों के नियमानुसार निस्तारण करें। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए

की वित्तीय वर्ष में कुछ ही समय शेष है निर्धारित मासिक क्रमिक एवं वार्षिक राजस्व लक्ष्यों की शत प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करें। कर बकाया वाहनों और अनफिट स्कूल वाहनों व्यावसायिक वाहनों को नोटिस भेजें और फोन करें, डोर ३ङ्ग डोर संपर्क करें। शासन और मुख्यालय द्वारा स्लीपर बसों अन्य निदेर्शों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें।

गाजियाबाद में हुई आरएसएस की समन्वय बैठक, शामिल हुए सीएम योगी

एक महीने के अंदर गाजियाबाद के दूसरे दौरे पर आए योगी आदित्यनाथ संघ की समन्वय बैठक के बाद पुलिस लाइन हेलीपैड पर गए और कई स्थानीय नेताओं से मुलाकात की।

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की समन्वय बैठक में शामिल हुए। बंद कमरे में हुई यह बैठक नेहरू नगर के सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक में संघ के महासचिव (संगठन) और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आयी है।

बैठक को लेकर गाजियाबाद से विधायक संजीव शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उत्तर प्रदेश में पूरे साल ऐसी समन्वय बैठकें आयोजित की जानी हैं।

एक महीने के अंदर गाजियाबाद के अपने दूसरे दौरे पर आए योगी आदित्यनाथ संघ की समन्वय बैठक के बाद पुलिस लाइन हेलीपैड पर गए और कई स्थानीय नेताओं से मुलाकात की।

सीएम योगी से मुलाकात करने वालों में सांसद अतुल गर्ग तथा आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री सुनील कुमार शर्मा शामिल थे। शर्मा के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जिले में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति का भी जायजा लिया और जन प्रतिनिधियों से राय मांगी।

अफसरों ने बताया कि मुख्यमंत्री के इस हाई-प्रोफाइल दौरे को देखते हुए गाजियाबाद में कई स्थानों पर मार्ग परिवर्तन किया गया।

चुनाव से पहले इखढ को सता रहा जातीय गणित बिगड़ने का डर

उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। इससे पहले पार्टी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

सृजन दिवस व होली मिलन समारोह हुआ संपन्न

(जीएनएस)।

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश। शहीद स्थल करारी टस्ट द्वारा बुधवार को शाम एक संगोष्ठी व कवि गोष्ठी का आयोजन करारी में किया गया। शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण वाणी वंदना से आयोजन का शुभारंभ किया गया। प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने जनपद सृजन दिवस पर सभी को बधाई देते हुए अपनी रचना, सर्वे भवन्तु सुखिनः मंगल हमारी कामना हो, द्वेष ईर्ष्या का दमन प्रमुदित हमारी भावना हो सुनाया तथा होली की रचना,रंग बरसै गुलाल रंग बरसै गुलाल कचौरी निअन फूलल भौजी के गाल सुनाकर वातावरण सृजित किया। संचालक अशोक तिवारी ने जनपद सृजन से जनहित की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए अपनी रचना, तन मन मगन रहे होली में सुनाकर वाहवाही लूटी। कौशल्या

कुमारी चौहान कवयित्री, ने होली के रंग में नहाने चली हूँ, रूठे दिलों को मनाने चली हूँ। श्रृंगार की रचना पढ़ कर लोगों को भावविभोर कर दिया। गीतकार दिलीप सिंह, दीपक ने अंक में लेकर रंग लगाओ, फाग कबीरा होरी गाओ की प्रस्तुती से महफि ल में चार चांद लगाये। दयानंद दयालू ने लोक भाषा में होली गीत, बरसै रंग गुलाल सजन बिन भावै न फागुन

सुनाया। धर्मेश चौहान ने टीवी और वीबी हास्य रचना से लोगों को गुदगुदाया।प्रभात सिंह चंदेल ने रसिया धुन पर वीरों की होली से संदर्भित रचना, सीमा पर सैनिक खेलते होली लोहू से लिखते जयहिंद बोली सुनाकर आयोजन को राष्ट्रीयता से जोड़े सराहे गये। सुनील चौचक ने, रंग अबीर गुलाल चलत हो मुसुकत हौ भौजाई चला होली मनाई सुनाकर वाहवाही बटोरी। सोन संगीत फाउंडेशन के सुशील मिश्रा ने साज संगीत के माध्यम से फाग व चैती गाकर लोगों को बाग बाग कर झूमने पर विबस किया। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने दीपचंदी होरी गाकर लोगों को समसामयिक प्रस्तुती से सराबोर किया। आयोजन की अध्यक्षता करते हुए संरक्षक रामयश त्रिपाठी के वक्तव्य के बाद आयोजन को विराम दिया गया। इस अवसर पर ठाकुर कुशवाहा, फारुख अली, जयशंकर त्रिपाठी, एडवोकेट ऋषभ त्रिपाठी, मृत्युंजय त्रिपाठी, पुरुषोत्तम कुशवाहा, शिव मोचन, गनेश, आद्या, अंशिका, शिखा, साहित्य, ममता, समता, बृज किशोर देव पांडेय, विजय शंकर तिवारी आदि देर शाम तक जमे रहे। आभार आयोजक प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट संस्था प्रमुख ने व्यक्त किया।

कानपुर के इस स्कूल में कल आएंगे सीएम योगी, आरएसएस के साथ होगी बैठक, क्या होगी बातचीत?

(जीएनएस)।

आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव और कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इसी को देखते हुए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को कानपुर दौरे पर आ रहे हैं. कानपुर दौरे के दौरान वह नवाबगंज स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय का भी दौरा करेंगे.

कानपुरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को कानपुर दौरे पर आ रहे हैं. इस दौरान वह नवाबगंज स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा आयोजित समन्वय बैठक में शामिल होंगे. इस बैठक को आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव और कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. संघ के प्रमुख अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारी भी इस बैठक में मौजूद रहेंगे, जहां विभिन्न सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा होगी.

जानकारी के अनुसार, यह बैठक विद्यालय परिसर में स्टाफ रूम के पास बने एक विशेष कक्ष में आयोजित की जाएगी. इसमें करीब 25 प्रमुख संगठनों के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है. बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन संगठनों से उनकी गतिविधियों और समाज में चल रहे कार्यों की जानकारी लेंगे. साथ ही क्षेत्र के महत्वपूर्ण विकास प्रोजेक्ट्स की स्थिति और आगे की योजनाओं पर भी मंथन होगा.

संघ की है बेहद बैठक सिर्फ 25 लोग होंगे शामिल

कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बताया कि यह समन्वय बैठक नियमित संवाद की प्रक्रिया का हिस्सा है. इसमें विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे सामाजिक कार्यों और योजनाओं की जानकारी देंगे. मुख्यमंत्री इन गतिविधियों की समीक्षा करेंगे और आगे की दिशा पर मार्गदर्शन भी देंगे.

प्रशासनिक स्तर पर भी मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई है. गुरुवार को कमिश्नर के. विजयेंद्र पांडियन, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, संघ के प्रांत प्रचारक श्रीराम और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय पहुंचकर बैठक स्थल और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया. अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल, बैठक कक्ष और आसपास के क्षेत्रों का बारीकी से जायजा लिया, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो.

कमिश्नर के. विजयेंद्र पांडियन ने बताया कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम लगभग दो घंटे का रहेगा. वह सुबह करीब 11.30 बजे विद्यालय पहुंचेंगे और दोपहर करीब दो बजे यहां से रवाना होंगे. इस दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए हैं. मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन और नगर निगम ने शहर में व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं.

मार्गों की साफ-सफाई पूरी

कंपनी बाग चौराहा से लेकर पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय तक पूरे मार्ग की विशेष सफाई कराई गई. नगर निगम की कूड़ा गाड़ियों से रास्ते की सफाई कर दीवारों पर पानी का छिड़काव कराया गया, ताकि मार्ग साफ-सुथरा और व्यवस्थित दिखे. इसके अलावा रास्ते में झूल रहे बिजली के तारों को हटाने और लाइनें व्यवस्थित करने के लिए केस्को की टीम भी पूरे दिन सक्रिय रही.

मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कार्यक्रम स्थल और मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की. मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं. प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सभी व्यवस्थाएं लगभग पूरी कर ली गई हैं.

बैठक को लेकर संघ और प्रशासन दोनों स्तर पर लगातार समन्वय किया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके. वहीं राजनीतिक दृष्टि से भी इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसमें संगठन और सरकार के बीच आगामी रणनीतियों पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है.

सीएचसी के 2 कर्मियों ने पीएम-सीएम पर की अभद्र टिप्पणी:बदलापुर में हिंदू संगठनों ने कोतवाली में दी तहरीर, पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया

(जीएनएस)।

जौनपुर के बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उ्लढ) के दो कर्मचारियों का एक आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। आरोप है कि वीडियो में कर्मचारी प्रधानमंत्री, यूपी के मुख्यमंत्री और कुछ समुदायों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते सुने जा रहे हैं। इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

हिंदू संगठन ने पुलिस को दी तहरीर

वायरल वीडियो में अस्पताल के कर्मचारी अमरजीत गौतम और कुलदीप गौतम कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हिंदू संगठनों ने इन कर्मचारियों पर आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग का आरोप लगाया है।

आरोपों के मुताबिक, दोनों कर्मचारियों ने अस्पताल में आने वाले कुछ समुदायों के लोगों के लिए भी

अभद्र भाषा का प्रयोग किया है। इस खुलासे के बाद क्षेत्र के हिंदू संगठनों में नाराजगी है।

रामकृष्ण उपाध्याय ने कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत दी है। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सोशल मीडिया पर भी इस मामले को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

मिथिलेश सिंह ने आरोप लगाया है कि अमरजीत गौतम से जुड़े विवादित वीडियो पहले भी सोशल मीडिया पर सामने आ चुके हैं। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शेष कुमार शुक्ला ने बताया कि रामकृष्ण उपाध्याय की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। दोनों कर्मचारियों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अमेरिका-ईरान युद्ध पर पीएम मोदी की चुप्पी भारत के लिए खतरनाक संकेत- मनीष सिसोदिया

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी ने अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे युद्ध को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल खड़ा किया है। अअढ के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह चुप्पी भारत के लिए खतरनाक संकेत है।

अमेरिका इस युद्ध की तैयारी कई महीने से कर रहा था। उसे पता था कि युद्ध शुरू होने के बाद तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। फिर भी अमेरिका ने ट्रेड डील के जरिए भारत को रूस से तेल नहीं लेने के लिए मना लिया। ऐसे में देशवासी जानना चाहते हैं कि क्या अमेरिका ने पीएम को गुमराह किया या फिर खुद पीएम ने अमेरिका को खुश रखने के लिए भारत के हितों से समझौता किया?

'AAP' पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने कहा कि आज एक भारतीय होने के नाते मन में कुछ बेहद गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ठीक एक महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के साथ एक ट्रेड डील करते हैं। उस डील में अमेरिका की एक अहम शर्त मान ली जाती है कि भारत रूस से तेल आयात नहीं करेगा। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर तेल खुद पैदा नहीं करता।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि हम रोजाना इस्तेमाल होने वाले तेल का बड़ा हिस्सा विदेशों से खरीदते हैं। इसलिए किसी एक या दो स्रोत को बंद कर देना सिर्फ.एक कूटनीतिक फैसला नहीं होता। यह सीधे इस बात से जुड़ा होता है कि देश में तेल की सप्लाई स्थिर रहेगी या नहीं, कीमतें नियंत्रित रहेंगी या नहीं और संकट के समय देश के पास विकल्प बचेंगे या नहीं। इसी को ऊर्जा सुरक्षा कहा जाता है।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस फैसले के सिर्फ. 20 दिन बाद अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू हो जाता है। खुद अमेरिका की सरकार कह रही है कि इस युद्ध की तैयारी कई महीनों से चल रही थी। मतलब उन्हें पहले से पता था कि युद्ध होने वाला है। उन्हें यह भी पता था कि इससे तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसके बावजूद भारत से रूस का तेल छोड़ने का फैसला करवा लिया गया। अब देश के सामने सीधा सवाल है कि क्या अमेरिका ने भारत के प्रधानमंत्री को गुमराह किया या फिर, मोदी जी ने अमेरिका को खुश रखने के लिए खुद ही भारत के हितों को पीछे रख दिया?

मनीष सिसोदिया ने कहा कि बात यहीं खत्म नहीं होती है। कल अमेरिका ने इस युद्ध को लगभग भारत के दरवाजे तक ला खड़ा किया। 24 घंटे बीत गए, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री के मुंह से एक शब्द तक नहीं निकला। यह चुप्पी सिर्फ. चुप्पी नहीं है, बल्कि यह एक खतरनाक संकेत है। दुनिया में क्या संदेश जा रहा है कि भारत की सीमाओं के पास कोई भी आकर युद्ध कर सकता है और भारत का प्रधानमंत्री चुप बैठा रहेगा? यह सवाल उठना स्वाभाविक है। यह चुप्पी आखिर किसके हित में है?

मनीष सिसोदिया ने कहा कि भारत के बुलावे पर "मिलन युद्धाभ्यास 2026" में शामिल होने के लिए ईरान ने अपना जहाज भेजा था। राष्ट्रपति जी के सामने उस जहाज की खूबियां बताई गई थीं।

प्रयागराज में होली के जश्न के बीच चली गोली: अवैध असलहे से फायरिंग, कई लोग घायल, आरोपी फरार

(जीएनएस)।

प्रयागराज, 05 मार्च 2026।

रंगों के त्योहार होली के उल्लास के बीच प्रयागराज के कटरा क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब नशे में धुत एक युवक ने अवैध असलहे से हवाई फायरिंग कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से मौके पर भगदड़ मच गई और छर्रे लगने से कई लोग घायल हो गए। गनीमत रही कि सभी घायलों को मामूली चोटें आई हैं और किसी की स्थिति गंभीर नहीं बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही प्रयागराज थाना कर्नलगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायलों की हालत स्थिर है।

नशे में डांस के दौरान चली गोली

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कटरा क्षेत्र में होली के अवसर पर कुछ युवक शराब के नशे में तेज डीजे पर डांस कर रहे थे। इसी दौरान उनमें से एक युवक ने अचानक अपने पास मौजूद अवैध असलहा निकालकर हवा में फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान निकले छर्रे आसपास मौजूद लोगों को जा लगे, जिससे कई लोग घायल हो गए। अचानक हुई इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि त्योहार के दौरान अक्सर नशे में हुड़दंग की घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन इस तरह अवैध हथियार का इस्तेमाल बेहद2 चिंताजनक है।

आरोपी की पहचान, गिरफ्तारी के लिए दबिश

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी युवक की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन कर संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। आरोपी पर अवैध हथियार रखने, सार्वजनिक स्थान पर फायरिंग करने और शांति भंग करने जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

नगर पुलिस उपायुक्त ने बयान जारी कर कहा कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है और स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

होली को देखते हुए शहर में पहले से ही पुलिस बल की तैनाती की गई थी। घटना के बाद संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उठे सवाल

यह घटना एक बार फिर इस बात की ओर इशारा करती है कि त्योहारों के दौरान शराब और अवैध हथियारों की रोकथाम के लिए और अधिक सख्ती की आवश्यकता है। सार्वजनिक स्थानों पर फायरिंग न केवल गैरकानूनी है, बल्कि यह निर्दोष लोगों की जान को भी खतरे में डालती है।

रंगों के पर्व पर चली गोली ने खुशियों में खलल डाल दिया, लेकिन प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से बड़ी अनहोनी टल गई। अब सभी की नजरें आरोपी की गिरफ्तारी और उस पर होने वाली सख्त कानूनी कार्रवाई पर टिकी हैं।

शराब के नशे में अवैध असहले से हवाई फायरिंग, छर्रे से आस-पास डांस कर रहे व्यक्तियों में से कुछ को आयी चोटें

आज दिनांक 05.03.2026 को प्रयागराज थाना कर्नलगंज पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि कटरा क्षेत्र में कुछ व्यक्ति होली में शराब के नशे में डांस कर रहे थे। उन्हीं में से 01 व्यक्ति द्वारा शराब के नशे में अपने अवैध असहले से हवाई फायरिंग की गई, जिसके छर्रे से आस-पास डांस कर रहे व्यक्तियों में से कुछ को मामूली चोटें आयी हैं। घायल व्यक्तियों को तत्काल प्राथमिक उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया है। आरोपी व्यक्ति की पहचान कर ली गयी है तथा पुलिस टीम का गठन कर उसकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। मौके पर कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

– पुलिस उपायुक्त नगर

30 हजार विद्युत सखी और 3250 करोड़ की रकम, यूपी में योगी सरकार की इस पहल ने तो गर्दा उड़ा दिया

योगी सरकार की 'विद्युत सखी योजना' ग्रामीण महिलाओं के जीवन में न केवल उजाला ला रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत भी कर रही है।

लखनऊः (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिला सशक्तीकरण की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। योगी सरकार की 'विद्युत सखी योजना' ग्रामीण महिलाओं के जीवन में न केवल उजाला ला रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत भी कर रही है।

अब तक इन ग्रामीण महिलाओं ने अपनी मेहनत और लगन से 3,250 करोड़ रुपये से अधिक का बिजली बिल संग्रह कर एक अभूतपूर्व रिकॉर्ड कायम किया है, जो महिला सशक्तीकरण का एक सशक्त मॉडल बन गया है। प्रदेश में अभी 30 हजार महिलाओं को विद्युत सखी के तौर पर पंजीकृत किया जा चुका है। इनमें से 15 हजार से अधिक महिलाएं पूरी सक्रियता के साथ फील्ड में तैनात होकर घर-घर जाकर बिजली बिल जमा करवा रही हैं।

आय का एक मजबूत जरिया

योगी सरकार की योजना है कि प्रशिक्षण और अन्य औपचारिकताएं पूरी होने के बाद बाकी बची महिलाओं को भी जल्द ही मैदान में उतार दिया जाएगा, जिससे ग्रामीण ऊर्जा सेवा में आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की जा सके। इस योजना ने महिलाओं के लिए सम्मानजनक आय का एक मजबूत जरिया तैयार किया है।

कई लोग इस विषय पर खुलकर बात नहीं करते

हजारों 'दीदियां' बनीं लखपति

इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत सखियों को दो हजार रुपये तक के बिजली बिल कलेक्शन पर 20 रुपये का कमीशन दिया जाता है, जबकि दो हजार से अधिक के बिल पर एक फीसदी कमीशन मिलता है। इस योजना के जरिए आज गांवों में हजारों 'दीदियां' लखपति बन चुकी हैं और समाज व परिवार में उनका मान-सम्मान भी काफी बढ़ा है।

महिलाओं के लिए रोजगार का साधन

उत्तर प्रदेश में इस योजना के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को बिजली बिल कलेक्शन एजेंट के रूप में सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया था। इस सफल पहल से जहां एक ओर ग्रामीण उपभोक्ताओं को लंबी लाइनों से छुटकारा मिला है और उनके लिए बिल जमा करना आसान हुआ है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के लिए यह योजना रोजगार का एक बेहतरीन साधन साबित हुई है।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 150 लोगों की समस्याएं, अवैध कब्जा करने वालों पर सख्त कार्रवाई का आदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में जनता दर्शन आयोजित किया। होली के बाद गोरखनाथ मंदिर में उन्होंने विभिन्न जिलों से आए करीब 150 लोगों की समस्याए

(जीएनएस)।

डिजिटल डेस्क, गोरखपुर। गोरखपुर में जनता के साथ बुधवार दिनभर होली की खुशियां साझा करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित प्रकल्प 'जनता दर्शन' में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता और संवेदनशील तरीके से किया जाए।

इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य होगी। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है।

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद चलकर पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं।

उन्होंने करीब 150 लोगों से मुलाकात की और सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले और कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

लखनऊ के बालागंज में बिल्डर चला रहे अस्पताल, यूपी फॉर्टिस नर्सिंग होम पर उठे सवाल

लखनऊ। (जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ के बालागंज इलाके में बिल्डरों द्वारा अस्पताल चलाए जाने का मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। जानकारी के अनुसार वढ फॉर्टिस नर्सिंग होम नाम से संचालित अस्पताल का संबंध एक ऐसे बिल्डर से बताया जा रहा है जिसका मुख्य काम प्रॉपर्टी और बिल्डिंग निर्माण का है।

सूत्रों के मुताबिक यह बिल्डर केवल एक अस्पताल ही नहीं बल्कि दो से तीन अस्पतालों का मालिक बताया जा रहा है। हाल ही में इस अस्पताल से जुड़ा एक मामला सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में कई तरह के सवाल उठने लगे हैं।

बताया जा रहा है कि बिठौली क्षेत्र के आसपास भी इसी बिल्डर द्वारा एक और अस्पताल बनवाया गया है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं जैसे संवेदनशील क्षेत्र में अगर अस्पतालों का संचालन केवल व्यापारिक उद्देश्य से किया जा रहा है तो इसकी स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच कराई जानी चाहिए।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे अस्पतालों के लाइसेंस, डॉक्टरों की तैनाती और चिकित्सा सुविधाओं की जांच कराई जाए, ताकि मरीजों को सही और सुरक्षित इलाज मिल सके।